>

Title: Regarding poor condition of farmers in the country and need to review the premium payble by farmers for Crop Insurance Scheme.

श्री गणेश सिंह (सतना): सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान देश के उन 70 प्रतिशत किसानों की खराब स्थिति की तरफ आकृष्ट कराना चाहता हूं...(व्यवधान)

सभापति महोदया : केवल एक विषय ही एलाउड है।

श्री गणेश सिंह : मैं वही बोल रहा हूं, सिर्फ किसानों का ही विषय है, दूसरा कोई विषय इसमें इन्क्लूड नहीं है।...(व्यवधान)

देश का किसान दिन-रात मेहनत करता है। जितना उत्पादन में लागत खर्च आ रहा है, उसके बदले उनकी फसलों का दाम नहीं मिलता है। वैसे भी देश में किसानों की खेती भगवान के भरोसे है। लगातार देश के किसानों को सूखा, बाढ़, पाला और अब तो इल्ली जैसे कीटाणुओं एवं अन्य बीमारियों से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। लगातार घाटे के कारण वे कर्ज की अदायगी नहीं कर पाते हैं। पूरे परिवार के बोझ से तंग आकर किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हैं, जो कि देश के लिए अत्यन्त दुर्भाग्यजनक है। देश के अन्दर कृषि एक ऐसा क्षेत्र है, जहां बड़ी मात्रा में लोगों को काम पर रखा जाता है। यदि यह क्षेत्र इसी तरह कमजोर होता रहा तो बेरोजगारी की वह हालत होगी, जिसकी देश के किसी अर्थशास्त्री ने कल्पना नहीं की होगी। कई बार सदन में इस विषय पर चिन्ता सभी माननीय सदस्यों ने की है एवं कई महत्वपूर्ण सुझाव भी आते रहे हैं, किन्तु दुर्भाग्य है कि केन्द्र सरकार ने आज तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अभी हाल ही में किसानों को जिस तरह से रासायनिक खाद का संकट झेलना पड़ा है और बहुत महंगी दर पर खाद खरीदकर खेत में डालनी पड़ी है, क्योंकि, केन्द्र सरकार देश के किसानों को समय पर खाद उपलब्ध नहीं करा पाई। सिंचाई के संसाधन आधे-अधूरे हैं। पैसों के अभाव में परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं। किसानों को बिजली भी नहीं मिल पा रही है। ऐसी स्थिति में किसान के इस दर्द को क्या गम्भीरता से नहीं लिया जायेगा?

मैंने पहले भी सुझाव दिया था कि किसानों की फसल बीमा की जो अभी तक नीति है, उसमें संशोधन करते हुए किसान के खेत को इकाई बनाया जाये एवं जो प्रीमियम किसान से लिया जाना है, उसकी 40-40 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारें दें तथा 20 प्रतिशत प्रीमियम की राशि किसानों से ली जाये। इस नीति के बन जाने के बाद थोड़ी सी किसानों को राहत अवश्य मिलेगी, ऐसा मुझे विश्वास है। इसके साथ ही एफ.डी.आई. से देश के किसानों को बचाया जाये तथा रासायनिक खाद की सब्सिडी 100 प्रतिशत सभी किसानों को दी जाये। धन्यवाद।